मुफ़्त IELTS किताबें

The Minimum-Effort Path to 7.0

चमकाना कहाँ रोकें और असली अभ्यास कहाँ शुरू करें — हर स्किल का एक रुकने का नियम, बुक करने से पहले तैयारी की ईमानदार जाँच, और यह नियम कि बचे हुए घंटे कहाँ जाएँ।

freeieltsbooks.net
Free to download, free to pass on · अक्टूबर 2026

यहाँ क्लिक करें https://freeieltsbooks.net/hi/about/

विषय-सूची

The Minimum-Effort Path to 7.0

Part 1 — रुकने के नियम, शॉर्टकट नहीं

1.1 पूरी हो चुकी स्किल पर और अभ्यास से आपका स्कोर क्यों नहीं बढ़ता

1.2 यहाँ "कम से कम मेहनत" का असल मतलब क्या है

1.3 समय की तीन बर्बादियाँ जिन्हें यह किताब ठीक करती है

Part 2 — क्या यह स्किल सच में पूरी हो चुकी है?

2.1 Listening

2.2 Reading

2.3 Writing

2.4 Speaking

Part 3 — क्या आप सच में टेस्ट बुक करने के लिए तैयार हैं?

3.1 टेस्ट से पहले की ईमानदार चेकलिस्ट

3.2 बहुत जल्दी टेस्ट देने की असली क़ीमत

3.3 उलटी नाकामी: तैयार होने के बाद बहुत लंबा इंतज़ार

Part 4 — अभी-अभी बचा समय दोबारा बाँटना

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

4.1 बची स्किलों को हिसाब से क्रम दीजिए, पसंद से नहीं

4.2 हफ़्ते के हिसाब से दोबारा बाँटने का ढाँचा

4.3 एहसास से नहीं, तय समय पर दोबारा टेस्ट

Part 5 — अपना रुको/चलो प्लान बनाना

5.1 हर स्किल की स्थिति

5.2 टेस्ट के लिए तैयारी की जाँच

5.3 एक पन्ने का प्लान

Part 6 — 2026 में क्या बदल रहा है

6.1 टेस्ट देने के तरीक़े में बदलाव, और वह एक जो इस किताब की अपनी संख्याएँ बदलता है

अंत

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

The Minimum-Effort Path to 7.0

Free IELTS Books — freeieltsbooks.net अद्यतन अक्टूबर 2026

यह किताब क्या है

नाम सुनकर लगता है कि यह कोई शॉर्टकट है। ऐसा नहीं है।

यहाँ "कम से कम मेहनत" का मतलब कम अभ्यास नहीं है। इसका मतलब है **कोई बेकार अभ्यास नहीं** — उस स्किल को चमकाने में और घंटे नहीं जो पहले ही आपके ज़रूरी बैंड तक पहुँच चुकी है, और उस मोड़ के बाद और हफ़्ते नहीं जहाँ पढ़ाई से नतीजा बदलना बंद हो चुका है।

यह एक सीमित दावा है, और यह किताब उसी पर टिकी रहती है। हर Part एक ही सवाल का जवाब देता है: *टेस्ट के बारे में आप जो पहले से जानते हैं, उसके हिसाब से समय लगाना कहाँ रोकें?* जवाब हैं रुकने के नियम — साफ़, जाँचने लायक़ शर्तें, जो बताती हैं कि कोई स्किल पूरी हो चुकी है, या कि आप टेस्ट बुक करने के लिए तैयार हैं।

यह किताब क्या नहीं है

यह Listening, Reading, Writing या Speaking नहीं सिखाती। यह नहीं समझाती कि ओवरऑल बैंड कैसे निकाला जाता है — यह काम *The Band 7.0 Blueprint* करती है, जो इसी साइट पर मुफ़्त है, अपने Part 1 में; और यह किताब उस हिसाब को दोहराने की बजाय बस उसका नाम लेकर उस पर टिकती है। यह इस पर बहस नहीं करती कि आपको किस बैंड का लक्ष्य रखना चाहिए — वह काम *Why Band 7.0 Is Called the Golden Score* करती है।

यह किताब मानकर चलती है कि आप अपनी लक्ष्य संख्या जानते हैं और मोटे तौर पर समझते हैं कि स्कोरिंग कैसे होती है, और वहीं से आगे बढ़ती है।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

यह किसके लिए है

हर उस व्यक्ति के लिए जो पहले से तैयारी कर रहा है, पहले से घंटे लगा रहा है, और अब पक्का नहीं है कि वे घंटे सही जगह जा रहे हैं। अगर आप हर स्किल बराबर पढ़ रहे हैं क्योंकि यही सबसे सुरक्षित लगता है, या आप बुकिंग तब तक टालते जा रहे हैं जब तक सब कुछ तैयार न लगे, तो यह किताब आपके लिए है।

अगर आपने अभी तैयारी शुरू ही नहीं की है, तो शुरुआत के लिए यह ग़लत किताब है। जब आपके पास देखने के लिए प्रैक्टिस स्कोर हों, तब लौटिए — आगे की ज़्यादातर बातों के लिए उनकी ज़रूरत है।

इसे इस्तेमाल कैसे करें

Part 1 विचार समझाता है। Part 2 किताब का दिल है: हर स्किल के लिए एक सेल्फ़-टेस्ट, जो बताता है कि वह स्किल पूरी हुई या नहीं। Part 3 उलटी जाँच है — कि *आप* टेस्ट बुक करने के लिए तैयार हैं या नहीं। Part 4 बताता है कि बचा हुआ समय कहाँ जाए। Part 5 एक पेज की वर्कशीट है, जो Parts 2 और 3 को एक ऐसे पन्ने पर ले आती है जिसे आप रख सकें। Part 6 बताता है कि 2026 में टेस्ट में क्या बदल रहा है, और वह एक बदलाव जो सीधे Part 3 के हिसाब पर असर डालता है।

Part 2 आप एक-एक स्किल करके पढ़ सकते हैं, जब-जब वह स्किल काम की हो। आगे का कुछ भी इस पर निर्भर नहीं कि आपने चारों पढ़े हों।

एक ईमानदार बात

यहाँ कुछ भी स्कोर का वादा नहीं है, और यहाँ कुछ भी समय-सीमा नहीं है। यह किताब आपसे नहीं कहेगी कि किसी स्किल में छह हफ़्ते लगते हैं, या कि आप किसी ख़ास तारीख़ तक अपने बैंड पर पहुँच जाएँगे। ये संख्याएँ इस पर निर्भर हैं कि आप कहाँ से शुरू कर रहे हैं और कैसे पढ़ते हैं, और जो किताब आपको ऐसी कोई संख्या देती है, वह अंदाज़ा लगा रही है।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

इस किताब के सेल्फ़-टेस्ट अपनी प्रगति जाँचने का एक तरीक़ा हैं। वे असली परीक्षा नहीं हैं, और अपनी ही Writing को ख़ुद नंबर देना इस पूरे तरीक़े की सबसे कमज़ोर कड़ी है — जहाँ यह बात मायने रखती है, वहाँ Part 2 इसे साफ़-साफ़ कहता है। आपका असली बैंड सिर्फ़ आधिकारिक टेस्ट का नतीजा बताता है।

© 2026 OurSharedCode — freeieltsbooks.net। यह किताब एक स्वतंत्र प्रकाशन है, जो शैक्षिक उद्देश्य से निःशुल्क वितरित की जाती है।

IELTS®, British Council, IELTS Australia Pty Ltd (IDP Education के स्वामित्व में) और Cambridge English (Cambridge University Press & Assessment का हिस्सा) का पंजीकृत ट्रेडमार्क है — इन्हें मिलाकर 'IELTS Partners' कहा जाता है। यह प्रकाशन और इसके लेखक IELTS Partners से संबद्ध, प्रायोजित, अनुमोदित या स्वीकृत नहीं हैं; 'IELTS' शब्द शीर्षक और पाठ में केवल इस किताब का विषय बताने के लिए है।

सभी प्रश्न, मॉडल उत्तर और व्याख्याएँ लेखक की मौलिक रचनाएँ हैं; कोई आधिकारिक IELTS सामग्री यहाँ पुनःप्रकाशित नहीं की गई है। परीक्षा की ताज़ा आधिकारिक जानकारी के लिए ielts.org देखें।

आप यह किताब उसके पूर्ण, बिना बदले रूप में मुफ़्त साझा कर सकते हैं। इसे बेचा नहीं जा सकता। स्वैच्छिक दान केवल होस्टिंग, डोमेन और अनुवाद की लागत में सहायता करते हैं; कोई सामग्री बेची नही जाती, और दान का IELTS Partners से कोई संबंध नहीं है।

Part 1 — रुकने के नियम, शॉर्टकट नहीं



1.1 पूरी हो चुकी स्किल पर और अभ्यास से आपका स्कोर क्यों नहीं बढ़ता

आपका ओवरऑल बैंड चारों स्किल के स्कोर का औसत है, राउंड करके। *The Band 7.0 Blueprint* अपने Part 1 में यह राउंडिंग हल किए गए उदाहरणों के साथ समझाती है; छोटी बात यह है कि .25 पर ख़त्म होने वाला औसत ऊपर के अगले आधे बैंड पर जाता है और .75 पर ख़त्म होने वाला ऊपर के अगले पूरे बैंड पर, यानी ओवरऑल संख्या चौथाई बैंड पर पलटती है।

इसका एक नतीजा है जिस पर ज़्यादातर उम्मीदवार कभी अमल नहीं करते।

चूँकि चारों स्कोर का औसत निकलता है, आपके ओवरऑल बैंड को नीचे रोकने वाली स्किल सबसे निचली वाली है। उसे ऊपर ले जाइए, औसत ऊपर जाता है। अपनी सबसे अच्छी स्किल को ऊपर ले जाने से भी काग़ज़ पर औसत उतना ही बढ़ता है — पर आपकी सबसे अच्छी स्किल के पास ऊपर जाने की जगह सबसे कम बची है, और उसे अब भी रोकने वाली ग़लतियाँ छोटी और ज़िद्दी होती हैं। Blueprint का Part 1.3 यह तर्क पूरा रखता है।

अब इसे एक क़दम आगे ले जाइए — यह किताब यहीं से शुरू होती है।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

अगर कोई स्किल पहले ही आपके ज़रूरी बैंड तक पहुँच चुकी है, तो उस पर और मेहनत औसत को बस कम नहीं हिलाती। अक्सर वह आपका नतीजा बिल्कुल नहीं बदलती। मान लीजिए लक्ष्य ओवरऑल 7.0 है। एक उम्मीदवार Listening 8.0, Reading 7.5, Writing 6.0, Speaking 7.5 पर है, यानी औसत 7.25, जो ऊपर 7.5 पर राउंड होता है — वह पहले ही लक्ष्य पार कर चुका है। Listening पर एक और महीना लगाकर 8.0 को 8.5 की तरफ़ धकेलने से औसत 7.375 हो जाता है, जो फिर भी 7.5 पर ही राउंड होता है। उस महीने से कुछ नहीं मिला।

वही महीना Writing पर लगाकर 6.0 को 6.5 करने से भी औसत 7.375 ही होता है। वह भी 7.5 पर राउंड होता है। यानी इस प्रोफ़ाइल पर दोनों में से कोई भी महीना ओवरऑल बैंड नहीं बदलता — पर उसकी हिफ़ाज़त सिर्फ़ एक करता है। 6.0 वाली Writing ही वह स्कोर है जो टेस्ट के दिन सबसे आसानी से नीचे फिसल सकता है, और हर स्किल की न्यूनतम शर्त इसी को पकड़ेगी।

यह आख़िरी बात औसत से ज़्यादा मायने रखती है। *Why Band 7.0 Is Called the Golden Score* में दी गई कई व्यवस्थाएँ — उसका Part 1 उनकी सूची देता है — आपका ओवरऑल बैंड देखती ही नहीं। वे चारों में से *हर एक* स्किल में न्यूनतम स्कोर माँगती हैं। वहाँ Writing में 6.0 पूरी अर्ज़ी को फ़ेल कर देता है, बाक़ी तीन चाहे जितने ऊँचे हों, और Listening का कितना भी अभ्यास इसे ठीक नहीं करता।

इससे बनने वाला रुकने का नियम: किसी स्किल पर तब तक काम कीजिए जब तक उसे बढ़ाने से या तो आपका ओवरऑल बैंड बदलता है या हर स्किल की न्यूनतम शर्त पूरी होती है। जब दोनों में से कुछ भी न हो, तो वह स्किल पूरी हो चुकी है, और उस पर लगाया हर अतिरिक्त घंटा वह घंटा है जो रेखा से नीचे वाली स्किल को नहीं मिल रहा।

1.2 यहाँ "कम से कम मेहनत" का असल मतलब क्या है

Part 1.1 को कम करने की इजाज़त समझ लेना आसान है। ऐसा नहीं है।

कुल मेहनत कम नहीं होती। बदलता यह है कि वह कहाँ लगती है। इस किताब पर चलने वाला उम्मीदवार उससे कम घंटे नहीं पढ़ता जो इस पर नहीं चलता — वह उतने ही घंटे

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

पढ़ता है, बस उनका बड़ा हिस्सा उस स्किल पर जाता है जो सच में स्कोर को नीचे रोक रही है।

यह कहने की एक वजह है। जिसमें आप पहले से अच्छे हैं, उसका अभ्यास अच्छा लगता है। जिसमें आप कमज़ोर हैं, उसका नहीं। अपने हाल पर छोड़ दें तो ज़्यादातर पढ़ाई के प्लान अपने-आप अच्छा लगने वाले सिरे की तरफ़ खिसक जाते हैं, बिना किसी के यह तय किए। आप Listening का एक सेट ख़त्म करते हैं और ख़ुद को क़ाबिल महसूस करते हैं, और वह एहसास यह बताने में कमज़ोर है कि उस घंटे से कोई फ़ायदा हुआ या नहीं।

तो यहाँ "कम से कम मेहनत" बर्बादी के बारे में दावा है, मात्रा के बारे में नहीं। दो उम्मीदवार हफ़्ते में पंद्रह घंटे पढ़ते हैं। एक उन्हें चारों स्किल में बराबर बाँटता है। दूसरे ने हर स्किल का टेस्ट किया, पाया कि दो पहले से पार हैं, और उन पंद्रह में से ग्यारह घंटे उन दो में लगाता है जो पार नहीं हैं। दूसरा उम्मीदवार कम मेहनत नहीं कर रहा। उसकी मेहनत का कम हिस्सा बर्बाद हो रहा है।

यह किताब आपसे कम पढ़ने को नहीं कहेगी। अगर आपकी सबसे कमज़ोर स्किल लक्ष्य से बहुत दूर है, तो उसमें जितना समय लगना है लगेगा, और घंटों को किसी भी तरह सजाने से यह नहीं बदलता। यह किताब इतना कर सकती है कि आप वे घंटे ग़लत जगह न लगाएँ।

1.3 समय की तीन बर्बादियाँ जिन्हें यह किताब ठीक करती है

Why Band 7.0 Is Called the Golden Score एक छोटे Part 4 के साथ ख़त्म होती है, जिसमें वे तीन तरीक़े गिनाए गए हैं जिनसे उम्मीदवार किसी सीमा के पीछे भागते हुए समय गँवाते हैं। वह उनके नाम लेकर रुक जाती है, और पूरी बात के लिए यहाँ भेजती है। यह वही पूरी बात है। तीनों में से हर एक की जाँच आगे के Parts में है।

उस स्किल की ज़रूरत से ज़्यादा तैयारी जो पहले ही रेखा पार कर चुकी है। उस किताब के 4.1 में इसका नाम है। इलाज है हर स्किल का एक सेल्फ़-टेस्ट जो बताए कि स्किल पूरी हुई या नहीं — इस किताब का Part 2, हर स्किल का एक सेक्शन।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

तैयार होने से पहले टेस्ट देना और एक मौक़ा गँवाना। उसके 4.2 में इसका नाम है। इलाज है एहसास की जगह तैयारी की एक ठोस चेकलिस्ट, और इसका ईमानदार हिसाब कि आज जल्दी टेस्ट देने की असल क़ीमत क्या है — Part 3.1 और 3.2।

यह ग़लत समझना कि आप पर कौन-सी सीमा लागू होती है। उसके 4.3 में इसका नाम है, और यही वह है जिसे यह किताब दोबारा *हल नहीं* करती। यह सवाल इसका है कि आपकी संख्या कौन-सी संस्था तय करती है, और Golden Score वाली किताब अपने Part 1 में इसका ठीक से जवाब देती है। अगर आपको पक्का नहीं कि आपका लक्ष्य सही लक्ष्य है, तो यहीं रुकिए और पहले वह पढ़िए। इस किताब का हर रुकने का नियम आपके लक्ष्य बैंड से नापा जाता है, इसलिए ग़लत लक्ष्य हर नियम को अपने साथ ग़लत कर देता है।

दायरे पर एक बात और। इस किताब के रुकने के नियम आम हैं — वे वैसे ही काम करते हैं चाहे आप 5.5 से शुरू कर रहे हों या 6.5 से। 6.5 पर अटक जाने और 7.0 तक न पहुँच पाने की ख़ास समस्या की अपनी शक्ल है, और *Stuck at 6.5? The Half-Band Wall and How to Break It*, जो इसी साइट पर है, उसी के लिए लिखी गई है। अगर आपकी स्थिति यही है, तो आगे की बातें फिर भी लागू होती हैं; बस वे ख़ास आपके लिए नहीं लिखी गईं।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

Part 2 — क्या यह स्किल सच में पूरी हो चुकी है?

बाक़ी किताब इसी Part पर चलती है। चार सेल्फ़-टेस्ट, हर स्किल का एक, और हर एक एक ही सवाल का जवाब देता है: **क्या यह स्किल पहले ही मेरे ज़रूरी बैंड तक पहुँच चुकी है?**

हर टेस्ट वही तीन क़दम मानता है — इसे कैसे करें, इसका स्कोर कैसे निकालें, और इससे बनने वाला रुकने का नियम — ताकि आप एक नज़र में स्किलों की तुलना कर सकें। चारों के लिए बस वही चाहिए जो आपके पास पहले से है: आधिकारिक प्रैक्टिस टेस्ट, एक टाइमर, अपनी आवाज़ रिकॉर्ड करने का कोई तरीक़ा, और सार्वजनिक बैंड डिस्क्रिप्टर (band descriptors), जो ielts.org पर मुफ़्त छपे हैं।

चारों पर दो नियम लागू होते हैं।

एक अच्छा नतीजा, नतीजा नहीं है। एक अकेला अच्छा स्कोर आसान पेपर, जाने-पहचाने विषय, या अंदाज़े से लगाए जवाबों में क़िस्मत से भी आ सकता है। नीचे का हर रुकने का नियम *अलग-अलग* प्रैक्टिस टेस्ट पर लगातार दो बार लक्ष्य तक पहुँचे नतीजे माँगता है, और पूरी वजह यही है।

अपने लक्ष्य पर टेस्ट कीजिए, उससे ऊपर नहीं। ये सेल्फ़-टेस्ट पूछते हैं कि कोई स्किल उस बैंड को पार कर चुकी है या नहीं जिसकी आपको सच में ज़रूरत है। ये आपकी ऊपरी सीमा की खोज नहीं हैं।

2.1 Listening

इसे कैसे करें। एक पूरा आधिकारिक Listening प्रैक्टिस टेस्ट, चारों सेक्शन, चालीस सवाल, एक ही बैठक में। ऑडियो एक ही बार चलाइए — न रोकना, न पीछे करना, न दोबारा सुनना। जवाब उतारने के लिए उतना ही समय लीजिए जितना असली टेस्ट देता है, उससे ज़्यादा नहीं। यह ऐसे कमरे में कीजिए जहाँ कोई बीच में न टोके, और उसी तरह की ऑडियो क्वालिटी के साथ जिसकी आप टेस्ट के दिन उम्मीद करते हैं।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

इसका स्कोर कैसे निकालें। चालीस में से अपने सही जवाब गिनिए और प्रैक्टिस-टेस्ट की किताब में छपी बैंड तालिका से बदलिए। बाद में मन ही मन संख्या में हेरफेर मत कीजिए — उन दो के लिए जो "लगभग सही थे", या उस सेक्शन के लिए जिसमें ऑडियो साफ़ नहीं था। रॉ स्कोर, बैंड, तारीख़, और कौन-सा टेस्ट था, यह सब लिख लीजिए।

रुकने का नियम। Listening तब पूरी है जब आप ऊपर बताए समय के साथ **दो अलग-अलग प्रैक्टिस टेस्ट पर लगातार दो कोशिशों में** अपने लक्ष्य बैंड तक पहुँचें। अगर एक कोशिश में पहुँचे और अगली में चूक गए, तो दोनों में से कोई नहीं गिनी जाती — जोड़ी फिर से शुरू कीजिए।

चारों में Listening का टेस्ट सबसे मशीनी है, इसलिए इस किताब में इसका नतीजा सबसे भरोसेमंद है। आम तौर पर यही वह स्किल है जो सबसे पहले "पूरी" निकलती है, और Part 1 के ज़्यादातर बर्बाद घंटे चुपचाप यहीं जाते हैं।

2.2 Reading

इसे कैसे करें। एक पूरा आधिकारिक Reading प्रैक्टिस टेस्ट, तीन पैसेज, चालीस सवाल, साठ मिनट, जवाब उतारने का समय मिलाकर। काम करते समय बगल में एक नोट रखिए: जब भी आपको रुककर पैसेज में पीछे जाकर इतनी देर ढूँढना पड़े जो खटके, उस सवाल का नंबर लिख लीजिए।

इसका स्कोर कैसे निकालें। अपने रॉ स्कोर को ठीक 2.1 की तरह बैंड में बदलिए — पर Reading में कुल स्कोर पूरा जवाब नहीं है। अपने ग़लत जवाबों को प्रश्न-प्रकार के हिसाब से छाँटिए: True/False/Not Given, matching headings, multiple choice, sentence completion, वग़ैरह। हर एक में चूक गिनिए।

Reading एक ख़ास तरीक़े से फ़ेल होती है। कोई उम्मीदवार ज़्यादातर प्रश्न-प्रकारों में आराम से तेज़ हो सकता है, और फिर भी किसी एक प्रकार में इतना समय और सटीकता गँवा सकता है कि पूरा बैंड नीचे रुक जाए। कुल स्कोर यह छिपा लेता है, और उसके बाद के घंटे आम Reading अभ्यास में चले जाते हैं, जबकि असली समस्या बस बीस मिनट जितनी चौड़ी है।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

रुकने का नियम। Reading तब पूरी है जब आप **दो अलग-अलग प्रैक्टिस टेस्ट पर लगातार दो कोशिशों में** अपने लक्ष्य बैंड तक पहुँचें, *और* कोई भी एक प्रश्न-प्रकार दोनों में चूकों का ढेर न बना रहा हो। अगर एक प्रकार बार-बार फ़ेल हो रहा है, तो Reading पूरी नहीं है — पर बचा हुआ काम उस प्रकार पर है, पूरी स्किल पर नहीं। उसी का ख़ास अभ्यास कीजिए और जोड़ी दोबारा चलाइए।

2.3 Writing

इसे कैसे करें। दोनों टास्क, एक ही बैठक में, कुल साठ मिनट — Task 1 के लिए बीस मिनट और Task 2 के लिए चालीस, किसी ऐसे आधिकारिक प्रैक्टिस प्रॉम्प्ट से जो आपने पहले नहीं देखा।

इसे उसी तरीक़े से कीजिए जिसमें आप असल में टेस्ट देंगे। अब लगभग हर उम्मीदवार IELTS कंप्यूटर पर देता है, इसलिए लगभग हर उम्मीदवार को यह टेस्ट टाइप करके, समय बाँधकर, बिना स्पेल-चेकर के करना चाहिए। हाथ से तभी लिखिए जब आपने ख़ास तौर पर Writing on Paper का विकल्प चुना हो, जहाँ वह उपलब्ध है। यह छोटी बात नहीं है — टाइपिंग की रफ़्तार, स्क्रीन पर सुधार करना और साफ़ लिखावट अलग-अलग स्किल हैं, और ग़लत तरीक़े में कमाया गया प्रैक्टिस स्कोर कुछ ऐसा नाप रहा है जो आप टेस्ट में करेंगे ही नहीं। Part 6 बताता है कि यहाँ क्या बदला।

इसका स्कोर कैसे निकालें। हर टास्क के लिए चार सार्वजनिक बैंड डिस्क्रिप्टर पर ख़ुद को नंबर दीजिए। फिर — क्योंकि ख़ुद दिया गया ओवरऑल स्कोर इस किताब की सबसे कम भरोसेमंद संख्या है — तीन ऐसी चीज़ें जाँचिए जिन पर बहस करना मुश्किल है:

- **Task response (सवाल का जवाब)।** क्या आपने पूछे गए सवाल के हर हिस्से का जवाब दिया? यह नहीं कि "क्या आपने विषय पर लिखा" — क्या आपने प्रॉम्प्ट के हर हिस्से को छुआ, उसे भी जो दूसरे वाक्य में दबा हुआ था?
- **Coherence (तालमेल)।** क्या हर पैराग्राफ़ में एक ही विचार है, जो उसके पहले वाक्य में कहा गया है? क्या कोई पढ़ने वाला सिर्फ़ पैराग्राफ़ों की शुरुआत पढ़कर तर्क को समझ सकता है?

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

- **Accuracy (शुद्धता)।** हर सौ शब्दों में अपनी ग़लतियाँ गिनिए। हर एक गिनिए — article, tense, preposition, spelling — और क्या गिना जाए, इसमें सख़्त रहिए। हर कोशिश में इस संख्या पर नज़र रखिए।

यहाँ की सीमा के बारे में ईमानदार रहिए। आप अपने ही काम को उन डिस्क्रिप्टर पर जाँच रहे हैं जो प्रशिक्षित परीक्षकों के लिए लिखे गए हैं, और वह भी उस स्किल में जहाँ परीक्षक का फ़ैसला सबसे ज़्यादा मायने रखता है। ख़ुद दिया गया Writing स्कोर इस किताब का सबसे कमज़ोर सबूत है। Writing पर "पूरी" वाले फ़ैसले को चारों में सबसे कम पक्का मानिए, और अगर आपको किसी भी स्किल पर किसी टीचर से एक बार फ़ीडबैक मिल सकता है, तो वह इसी पर लीजिए।

रुकने का नियम। Writing तब पूरी है जब आप **दो अलग-अलग प्रॉम्प्ट पर लगातार दो कोशिशों में** अपने लक्ष्य बैंड के डिस्क्रिप्टर पूरे करें, दोनों सवालों के सारे हिस्सों का पूरा जवाब दिया गया हो, और हर सौ शब्दों पर आपकी ग़लतियों की गिनती गिरना बंद हो गई हो। यह आख़िरी शर्त मायने रखती है: जब तक ग़लतियों की दर गिर रही है, स्किल अभी आगे बढ़ रही है, और रुकना जल्दबाज़ी है।

2.4 Speaking

इसे कैसे करें। तीनों हिस्से, क्रम से, एक ही बैठक में: छोटे निजी सवाल, एक मिनट की तैयारी वाला लंबा जवाब, और चर्चा। पूरी चीज़ रिकॉर्ड कीजिए। कोई ऐसा आधिकारिक प्रैक्टिस टॉपिक कार्ड लीजिए जो आपने पहले नहीं देखा। लंबे जवाब में पूरे दो मिनट बोलिए, तब भी जब असहज लगे — ख़ासकर तब।

फिर रिकॉर्डिंग वापस सुनिए। उम्मीदवार यही हिस्सा छोड़ देते हैं, और यही हिस्सा काम करता है। परीक्षक जो सुनता है, उसे सुनने का यह सबसे तेज़ तरीक़ा है, और Blueprint भी Speaking के लिए यही तरीक़ा सुझाती है।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

इसका स्कोर कैसे निकालें। चार सार्वजनिक मानदंडों पर ख़ुद को नंबर दीजिए। Writing की तरह, इस फ़ैसले को उन चीज़ों से सहारा दीजिए जो आप रिकॉर्डिंग से गिन सकते हैं:

- **अटकना।** आप कितनी बार वाक्य के बीच रुककर कोई शब्द ढूँढते हैं? वे रुकावटें गिनिए जो वाक्य तोड़ती हैं, विचारों के बीच की स्वाभाविक रुकावटें नहीं।
- **ख़ुद को सुधारना।** आप कितनी बार कोई वाक्य शुरू करते हैं, उसे छोड़ते हैं, और फिर से शुरू करते हैं? कुछ बार होना सामान्य बोलचाल है। इसका पैटर्न बन जाए तो fluency के नंबर कटते हैं।
- **जवाब की लंबाई।** Part 1 में क्या आप एक वाक्य में जवाब देकर रुक जाते हैं, या स्वाभाविक रूप से बात आगे बढ़ाते हैं? लंबे जवाब में क्या आपने बिना बात ख़त्म हुए दो मिनट भरे?

रुकने का नियम। Speaking तब पूरी है जब आप **दो अलग-अलग टॉपिक कार्ड पर लगातार दो रिकॉर्डिंग में** अपने लक्ष्य बैंड के डिस्क्रिप्टर पूरे करें, दोनों बार लंबा जवाब पूरा भरें, और अटकने व ख़ुद को सुधारने की आपकी गिनती अब भी सुधरने की बजाय स्थिर हो।

Speaking का सेल्फ़-असेसमेंट Writing से ज़्यादा भरोसेमंद है — अटकना और लंबाई रिकॉर्डिंग के गिने जा सकने वाले तथ्य हैं, अपनी राय नहीं — पर फिर भी यह आपके अपने कान से आपकी अपनी आवाज़ की जाँच है। इसे अच्छा सबूत मानिए, पक्का प्रमाण नहीं।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

Part 3 — क्या आप सच में टेस्ट बुक करने के लिए तैयार हैं?



Part 2 ने पूछा कि कोई स्किल पूरी हुई या नहीं। यह Part दूसरा सवाल पूछता है, और इसमें उम्मीदवार दोनों तरफ़ ग़लती करते हैं: बहुत जल्दी बुक करके एक मौक़ा गँवाना, या इतना लंबा इंतज़ार करना कि इंतज़ार ख़ुद बर्बादी बन जाए।

3.1 टेस्ट से पहले की ईमानदार चेकलिस्ट

"क्या मुझे तैयार महसूस होता है" काम का सवाल नहीं है। इसका जवाब आपकी घबराहट दे देती है, और अलग-अलग दिनों पर दोनों तरफ़ ग़लत देती है। इसकी जगह ऐसी शर्तें इस्तेमाल कीजिए जिन्हें आप जाँच सकें।

इन्हें एक-एक करके देखिए। हर एक का जवाब हाँ या ना है।

1. **आपकी चार में से कम से कम तीन स्किल अपने लक्ष्य बैंड पर Part 2 का रुकने का नियम पार कर चुकी हैं** — हर एक के अलग-अलग प्रैक्टिस टेस्ट पर लगातार दो बार लक्ष्य तक पहुँचे नतीजे।
2. **चौथी स्किल अपनी पिछली दो कोशिशों में अपने लक्ष्य से आधे बैंड के अंदर है।** एक अच्छी कोशिश नहीं। दो।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

3. **आपने समय-सीमा के अंदर पूरा टेस्ट ख़त्म किया है**, हर सेक्शन, बिना समय से आगे गए, कम से कम दो अलग-अलग मौक़ों पर।
4. **आपने कम से कम एक पूरा प्रैक्टिस टेस्ट एक ही बैठक में दिया है** — चारों स्किल, क्रम से, एक ही सत्र में, जैसे असली दिन होता है। जो स्किल अकेले में टिकी रहती है, वह चौथे घंटे में बिखर सकती है।
5. **आपने उसी तरीक़े में अभ्यास किया है जिसमें आप असल में टेस्ट देंगे।** लगभग सबके लिए इसका मतलब अब कंप्यूटर पर, Writing टास्क टाइप करके। Part 6 देखिए।
6. **अगर आपका लक्ष्य हर स्किल में न्यूनतम स्कोर माँगता है** — बहुत-से माँगते हैं; Golden Score वाली किताब का Part 1 बताता है कौन-से — तो औसत नहीं, हर स्किल ने अपनी पिछली दो कोशिशों में वह न्यूनतम पूरा किया है।

अगर छहों का जवाब हाँ है, तो टेस्ट बुक कीजिए।

अगर पाँच हाँ हैं और छठा क़रीब है, तो टेस्ट बुक कीजिए। हाँ की पूरी, बेदाग़ क़तार का इंतज़ार करना ठीक वही नाकामी है जिसके बारे में Part 3.3 है।

अगर तीन या ज़्यादा ना हैं, तो आप तैयार नहीं हैं, और अभी बुक करने से शायद आपकी फ़ीस और अगले मौक़े तक के हफ़्ते दोनों जाएँगे। Part 4 पर लौटिए और समय वहाँ लगाइए जहाँ कमी है।

3.2 बहुत जल्दी टेस्ट देने की असली क़ीमत

इसीलिए 3.1 को एहसास नहीं, ठोस होना चाहिए। तैयार होने से पहले टेस्ट देना कोई मुफ़्त ट्रायल नहीं है।

इसकी क़ीमत फ़ीस है। IELTS कहीं भी सस्ता नहीं है, और रक़म देश और टेस्ट सेंटर के हिसाब से बदलती है। अपने सेंटर का मौजूदा दाम देख लीजिए — यहाँ यह छोटी क़ीमत है, पर असली है।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

इसकी क़ीमत कैलेंडर है। आम तौर पर यही बड़ी क़ीमत होती है। आप कहाँ हैं इस पर निर्भर करते हुए, अगला ख़ाली मौक़ा हफ़्तों दूर हो सकता है, और नतीजे आने में उसके ऊपर से समय लगता है। अगर कोई चीज़ आपके स्कोर का इंतज़ार कर रही है — डेडलाइन वाली वीज़ा अर्ज़ी, किसी कोर्स का दाख़िला, रजिस्ट्रेशन की आख़िरी तारीख़ — तो हो सकता है वही हफ़्ते आपके पास न हों। एक मौक़ा गँवाना शायद ही कभी सिर्फ़ एक टेस्ट गँवाना होता है।

पर यह क़ीमत पहले से कम है, और आपको पता होना चाहिए क्यों। अब एक आधिकारिक विकल्प है जिसका नाम **One Skill Retake** है (एक स्किल का दोबारा टेस्ट)। अगर आपने कंप्यूटर वाला टेस्ट दिया और एक स्किल ख़राब गई जबकि बाक़ी ठीक थीं, तो आप चारों दोबारा देने की बजाय **सिर्फ़ वही एक स्किल** दोबारा दे सकते हैं। यह रीटेक मूल टेस्ट के **60 दिन** के अंदर होना चाहिए, और आप इसे **हर मूल टेस्ट पर एक बार** इस्तेमाल कर सकते हैं।

यह सच में इस हिसाब को बदलता है। पुराने हिसाब में टेस्ट के दिन एक कमज़ोर स्किल का मतलब था पूरी तरह शुरू से शुरू करना, और सुरक्षित चाल हमेशा इंतज़ार करना था। अब, अगर तीन स्किल पक्की हैं और एक किनारे पर है, तो किनारे वाली में ख़राब नतीजा एक संभाली जा सकने वाली एक-स्किल रीटेक है, गँवाया हुआ टेस्ट नहीं।

इस पर भरोसा करने से पहले दो ईमानदार सीमाएँ। **यह हर जगह उपलब्ध नहीं है** — यह आपके टेस्ट सेंटर पर निर्भर है, इसलिए इसके इर्द-गिर्द प्लान बनाने से *पहले* जाँच लीजिए कि आपका सेंटर यह देता है। और **हर संस्था One Skill Retake का नतीजा स्वीकार नहीं करती**; यूनिवर्सिटी, नौकरी देने वाले और इमिग्रेशन विभाग अपनी-अपनी नीति तय करते हैं। जो भी आपका स्कोर पढ़ने वाला है, उससे पक्का कर लीजिए कि वह इसे मानेगा। अगर नहीं मानेगा, तो आपका हिसाब पुराना वाला है, और Part 3.1 की चेकलिस्ट की हर शर्त पूरी होनी चाहिए।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

3.3 उलटी नाकामी: तैयार होने के बाद बहुत लंबा इंतज़ार

अब तक की हर बात बुक करने से पहले सावधानी के पक्ष में है। अकेले पढ़ें तो यह आपको टालने की तरफ़ धकेलेगी, और टालने की अपनी क़ीमत है जिसके बारे में उम्मीदवारों को कोई नहीं चेताता।

इस किताब की ईमानदारी की शर्त दोनों तरफ़ काटती है। जो स्किल पहले ही अपनी रेखा पार कर चुकी है, उसकी ज़रूरत से ज़्यादा तैयारी बर्बादी है — यह Part 1 है। बुकिंग को उस मोड़ के बाद टालना जहाँ और इंतज़ार कुछ नहीं जोड़ता, वही बर्बादी है, बस ज़्यादा ज़िम्मेदार दिखने वाला कोट पहने हुए।

यह ऐसे दिखता है। आपके प्रैक्टिस स्कोर हिलना बंद कर देते हैं। तीन-चार हफ़्ते गुज़रते हैं और संख्याएँ वहीं रहती हैं जहाँ थीं, पर बुक करना अब भी जल्दबाज़ी लगता है, तो आप पढ़ते रहते हैं। अब घंटे स्कोर नहीं ख़रीद रहे। वे यह एहसास ख़रीद रहे हैं कि अभी तक आपने कोई जोखिम नहीं लिया।

संकेत है सपाट प्रैक्टिस स्कोर। अगर आपके सेल्फ़-टेस्ट के नतीजे कई हफ़्तों से स्थिर हैं — बढ़ नहीं रहे, बस स्थिर हैं — और Part 3.1 की चेकलिस्ट काफ़ी हद तक पूरी है, तो आपके और नतीजे के बीच और पढ़ाई नहीं खड़ी है। टेस्ट बुक कीजिए।

इंतज़ार की एक दूसरी क़ीमत भी है जो आसानी से नज़र से छूट जाती है। स्किल फिसलती हैं। जो Listening स्कोर आपने दो महीने पहले कमाया था और तब से दोबारा टेस्ट नहीं किया, वह आज के बारे में सबूत नहीं है। Part 4.3 सीधे इसी से निपटता है: "पूरी" और असली टेस्ट के बीच का फ़ासला जितना लंबा, उतना ज़्यादा Part 2 आपको दोबारा चलाना होगा।

और एक सीधी बात। स्कोर जिस भी चीज़ के लिए हो — वीज़ा, कोर्स, रजिस्ट्रेशन — टेस्ट मंज़िल नहीं है। वह मंज़िल के सामने का दरवाज़ा है। जिस दरवाज़े से आप पहले ही निकल सकते थे, उसके सामने खड़े रहकर बिताया समय उस तरफ़ की चीज़ों से छीना गया समय है।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

Part 4 — अभी-अभी बचा समय दोबारा बाँटना

Part 2 ने बताया कि कौन-सी स्किल पूरी हो चुकी हैं। इससे घंटे ख़ाली होते हैं। यह Part तय करता है कि वे कहाँ जाएँ, और यह फ़ैसला हिसाब से होता है, पसंद से नहीं।

4.1 बची स्किलों को हिसाब से क्रम दीजिए, पसंद से नहीं

जब कोई स्किल अपना रुकने का नियम पार कर लेती है, तो जो घंटे उसे मिल रहे थे वे ख़ाली हो जाते हैं। सवाल यह है कि बची हुई स्किलों में से उन्हें कौन-सी पाए।

नियम: ख़ाली समय उस बची स्किल को जाता है जो अपने लक्ष्य से सबसे दूर है।

वह नहीं जो आपको पसंद है। वह नहीं जिसमें तरक़्क़ी सबसे तेज़ महसूस होती है। वह नहीं जिसकी सामग्री आपके पास है। वह जो अपने लक्ष्य से सबसे दूर है, उसी वजह से जो Part 1.1 में और Blueprint के Part 1.3 में बताई गई है — सबसे निचले स्कोर के पास हिलने की सबसे ज़्यादा जगह है, उसकी ग़लतियाँ सबसे बड़ी और ठीक करने में सबसे आसान हैं, और वही औसत को नीचे खींच रहा है।

हर बची स्किल का फ़ासला निकालिए। आपके पिछले Part 2 सेल्फ़-टेस्ट का मौजूदा बैंड, लक्ष्य बैंड, और दोनों का अंतर। अंतर के हिसाब से क्रम दीजिए, सबसे बड़ा पहले। यही क्रम आपकी प्राथमिकता है, और इसका असहज होना ठीक है।

एक चीज़ इस क्रम से ऊपर है। अगर आपका लक्ष्य हर स्किल में न्यूनतम स्कोर माँगता है — पक्का न हो कि आपका माँगता है या नहीं, तो Golden Score वाली किताब का Part 1 देखिए — तो जो भी स्किल उस न्यूनतम से नीचे है, वह फ़ासले के आकार की परवाह किए बिना सबसे पहले आती है। जो स्किल किसी पक्की शर्त पर फ़ेल होती है, वह आपसे चौथाई बैंड नहीं छीनती। वह आपसे अर्ज़ी छीनती है।

जब भी किसी सेल्फ़-टेस्ट का नतीजा बदले, क्रम दोबारा बनाइए। यह एक बार बनाकर छोड़ देने वाला प्लान नहीं है।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

4.2 हफ़्ते के हिसाब से दोबारा बाँटने का ढाँचा

शक्ल दिखाने के लिए एक उदाहरण। संख्याएँ नक़ल मत कीजिए।

ओवरऑल 7.0 का लक्ष्य रखने वाला एक उम्मीदवार हफ़्ते में बारह घंटे पढ़ता है, हर स्किल पर तीन। वह Part 2 चलाता है और पाता है: Listening 7.5, पूरी। Speaking 7.0, पूरी। Reading 6.5, पूरी नहीं। Writing 6.0, पूरी नहीं।

अब छह घंटे ख़ाली हैं। फ़ासले हैं Writing 1.0 और Reading 0.5, तो Writing पहले नंबर पर है। शुरुआती बँटवारा:

स्किल	पहले	बाद में	क्यों
Listening	3 घंटे	1 घंटा	पूरी — बस इतना कि गरम रहे, ज़्यादा नहीं
Speaking	3 घंटे	1 घंटा	पूरी — वही
Reading	3 घंटे	4 घंटे	आधे बैंड का फ़ासला
Writing	3 घंटे	6 घंटे	सबसे बड़ा फ़ासला; हर स्किल की न्यूनतम शर्त भी ख़तरे में

ध्यान दीजिए कि पूरी हो चुकी स्किल शून्य पर नहीं जातीं। हर एक का एक घंटा उन्हें फिसलने से रोकता है, जिसके बारे में Part 4.3 है। बाक़ी सब उन दो में जाता है जिनमें कमी है, बड़े फ़ासले की तरफ़ ज़्यादा झुकाव के साथ।

यह शुरुआती बँटवारा है, कोई फ़ॉर्मूला नहीं। जैसे-जैसे नतीजे आएँ, इसे बदलिए। अगर कुछ हफ़्तों बाद Writing आगे बढ़ती है और Reading नहीं, तो अनुपात बदलना चाहिए। अगर जिस स्किल को आपने पूरी माना था वह दोबारा टेस्ट में लक्ष्य से नीचे आती है, तो वह एक घंटे वाली स्किल नहीं रहती।

ढाँचा तर्क है, संख्याएँ नहीं। आपका अलग दिखेगा, क्योंकि आपके फ़ासले अलग हैं।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

4.3 एहसास से नहीं, तय समय पर दोबारा टेस्ट

"पूरी" किसी ख़ास हफ़्ते का फ़ैसला है। यह हमेशा के लिए नहीं है, और इसे हमेशा का मान लेना ही वह तरीक़ा है जिससे उम्मीदवार टेस्ट के दिन हैरान होकर पहुँचते हैं।

बिना अभ्यास के स्किल फिसलती हैं। ख़ासकर Listening चुपचाप जाती है — कान तेज़ रफ़्तार के साथ चलने की आदत खो देते हैं, और कुछ भी आपको आगाह नहीं करता, क्योंकि आप कुछ कठिन सुन ही नहीं रहे। जो स्कोर आपने छह हफ़्ते पहले कमाया था और दोबारा टेस्ट नहीं किया, वह आज के बारे में सबूत नहीं है। वह इतिहास है।

पूरी मानी गई हर स्किल का Part 2 वाला सेल्फ़-टेस्ट हर तीन-चार हफ़्ते में दोबारा चलाइए, और टेस्ट की तारीख़ से दो हफ़्ते के अंदर हमेशा। बस यही पूरा नियम है। तारीख़ें अभी कैलेंडर में डाल दीजिए, जब आप इसके बारे में सोच रहे हैं, बजाय हर हफ़्ते यह तय करने के कि ज़रूरी लगता है या नहीं — जिन हफ़्तों में यह ग़ैरज़रूरी लगता है, ठीक वही हफ़्ते हैं जब यह ज़रूरी होता है।

अगर दोबारा टेस्ट लक्ष्य से नीचे आता है, तो वह स्किल अब पूरी नहीं है। वह अपने नए फ़ासले के साथ 4.1 के क्रम में वापस आती है, और घंटे फिर से खिसकते हैं।

4.2 की तालिका का रखरखाव वाला घंटा इसी के लिए है। यह पार हो चुकी स्किल पर बर्बाद मेहनत नहीं है — यह वह है जो पार हो चुकी स्किल को पार रखता है, और यह जानबूझकर एक घंटा है, तीन नहीं।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

Part 5 — अपना रुको/चलो प्लान बनाना



यह वह पन्ना है जो आप अपने पास रखते हैं। इससे पहले की हर बात तर्क थी; यह फ़ॉर्म है।

इन तीनों तालिकाओं को काग़ज़ के एक पन्ने पर, या अपने फ़ोन के एक नोट में उतार लीजिए। इन्हें भरिए, तारीख़ डालिए, और हर दोबारा टेस्ट पर फिर से भरिए।

5.1 हर स्किल की स्थिति

हर स्किल की एक पंक्ति। इसे अपने सबसे हाल के दो Part 2 सेल्फ़-टेस्ट से भरिए।

स्किल	लक्ष्य बैंड	पिछले दो नतीजे	पूरी?	टेस्ट की तारीख़	अगला टेस्ट कब
Listening					
Reading					
Writing					
Speaking					

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

पूरी का मतलब है कि दोनों नतीजे लक्ष्य तक पहुँचे, अलग-अलग प्रैक्टिस टेस्ट पर, Part 2 की शर्तों के साथ। दो नतीजे, एक नहीं। अगर कोई भी चूका, तो जवाब ना है।

अगला टेस्ट कब टेस्ट की तारीख़ से तीन-चार हफ़्ते बाद है, Part 4.3 के मुताबिक़। इसे अभी भरिए, बाद में नहीं।

जिस भी स्किल का जवाब ना है, उसका फ़ासला — लक्ष्य घटा मौजूदा — हाशिये में लिखिए। Part 4.1 इसी संख्या पर क्रम देता है।

5.2 टेस्ट के लिए तैयारी की जाँच

Part 3.1 की छह शर्तें। हाँ या ना, "शायद" नहीं।

#	शर्त	हाँ / ना
1	चार में से तीन स्किल अपना रुकने का नियम पार कर चुकी हैं	
2	चौथी आधे बैंड के अंदर है, अपनी पिछली दो कोशिशों में	
3	समय-सीमा के अंदर पूरा टेस्ट ख़त्म किया, दो बार	
4	कम से कम एक बार चारों स्किल एक ही बैठक में दीं	
5	उसी तरीक़े में अभ्यास किया जिसमें असल में टेस्ट दूँगा (आम तौर पर: कंप्यूटर पर)	
6	अगर मेरा लक्ष्य हर स्किल में न्यूनतम माँगता है: हर स्किल उसे पूरा करती है	

छह हाँ, या पाँच हाँ और छठा क़रीब: टेस्ट बुक कीजिए। तीन या ज़्यादा ना: अभी नहीं — 5.3 पर जाइए और समय वहाँ लगाइए जहाँ कमी है।

अगर आप कई हफ़्तों से "पाँच हाँ" पर हैं और आपके प्रैक्टिस स्कोर हिलना बंद कर चुके हैं, तो Part 3.3 फिर से पढ़िए और फिर टेस्ट बुक कीजिए।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

5.3 एक पन्ने का प्लान

ऊपर की दोनों तालिकाएँ, फ़ैसलों में बदली हुई। यह वह हिस्सा है जिस पर आप इसी हफ़्ते अमल करते हैं।

जो स्किल पूरी हो चुकी हैं (5.1 से): .....

ये रखरखाव पर चली जाती हैं — हर एक को हफ़्ते में लगभग एक घंटा, Part 4.2 के मुताबिक़। शून्य नहीं।

जिन स्किलों में अभी कमी है, फ़ासले के क्रम में, सबसे बड़ा पहले (5.1 के हाशिये से; जो भी स्किल हर स्किल की न्यूनतम शर्त से नीचे है, उसे फ़ासले की परवाह किए बिना सबसे ऊपर रखिए):

1. ..... फ़ासला: .....
2. ..... फ़ासला: .....
3. ..... फ़ासला: .....

हफ़्ते में मेरे घंटे: .....

स्किल	पहले के घंटे	अब के घंटे
Listening		
Reading		
Writing		
Speaking		

बुकिंग का फ़ैसला (5.2 से): अभी बुक करूँगा / अभी नहीं — दोबारा देखूँगा ..... को

अगले सेल्फ़-टेस्ट की तारीख़: .....

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

इसे रखने से पहले तीन चीज़ें जाँच लीजिए।

पूरी मानी गई हर स्किल के आगे अगले टेस्ट की तारीख़ लिखी है। जिस हर स्किल में अभी कमी है, उसके घंटे पहले से ज़्यादा हैं। और अगर 5.2 में छह हाँ आए, तो या तो आपने टेस्ट बुक कर लिया है, या वह दिन लिख लिया है जब करेंगे।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

Part 6 — 2026 में क्या बदल रहा है

6.1 टेस्ट देने के तरीक़े में बदलाव, और वह एक जो इस किताब की अपनी संख्याएँ बदलता है

यह किताब जिस स्कोरिंग के हिसाब पर टिकी है, उसमें कुछ नहीं बदल रहा। बदल रहा है यह कि आप टेस्ट कैसे और कहाँ देते हैं, और इनमें से दो बदलाव सीधे इस किताब के नियमों को छूते हैं।

The Band 7.0 Blueprint अपने §1.4 में टेस्ट देने के तरीक़े की पूरी तस्वीर देती है — पूरी बात के लिए वह पढ़िए। छोटे में: 2026 के बीच से IELTS पेपर वाला टेस्ट देना बंद करके कंप्यूटर पर चला जाता है, और सही समय-सीमा हर देश के बाज़ार में अलग है; कुछ चुने हुए बाज़ारों में Writing on Paper का विकल्प आपको बाक़ी टेस्ट कंप्यूटर पर देते हुए Writing सेक्शन हाथ से लिखने देता है; और UK Visas and Immigration के लिए Secure English Language Test सिर्फ़ डिजिटल है।

इस किताब पर दो असर।

One Skill Retake, Part 3.2 का हिसाब बदलता है। अगर आपका पूरा टेस्ट कंप्यूटर पर हुआ था, तो आप चारों दोबारा देने की बजाय एक स्किल दोबारा दे सकते हैं। रीटेक मूल टेस्ट के **60 दिन** के अंदर होना चाहिए, और इसे **हर मूल टेस्ट पर एक बार** इस्तेमाल किया जा सकता है। यह तब टेस्ट देने की क़ीमत में एक असली, आधिकारिक कमी है जब एक स्किल अभी किनारे पर हो — इसीलिए Part 3.2 इसका नाम लेता है, बजाय इसके कि आपको बाद में पता चले।

सीमाएँ उतनी ही मायने रखती हैं जितना विकल्प। उपलब्धता आपके टेस्ट सेंटर पर निर्भर है, इसलिए पक्का कीजिए कि आपका सेंटर यह देता है। और जो संस्था आपका स्कोर पढ़ेगी — यूनिवर्सिटी, नौकरी देने वाला, इमिग्रेशन विभाग — वह अपनी नीति ख़ुद तय करती है कि One Skill Retake का नतीजा मानेगी या नहीं। इसके इर्द-गिर्द प्लान बनाने से पहले दोनों जाँच लीजिए। अगर किसी का भी जवाब ना है, तो इस छूट के बिना Part 3.1 की पूरी चेकलिस्ट इस्तेमाल कीजिए।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

टेस्ट देने का तरीक़ा बदलता है कि आप Writing का सेल्फ़-टेस्ट कैसे करें। चूँकि अब लगभग हर उम्मीदवार कंप्यूटर पर टेस्ट देता है, Part 2.3 का सेल्फ़-टेस्ट टाइप करके, समय बाँधकर, बिना स्पेल-चेकर के होना चाहिए। हाथ से तभी लिखिए जब आपने ख़ास तौर पर Writing on Paper चुना हो, जहाँ वह उपलब्ध है। समय के दबाव में टाइपिंग और हाथ से लिखना अलग-अलग स्किल हैं, और उस तरीक़े में किया गया Writing सेल्फ़-टेस्ट जिसमें आप टेस्ट नहीं देंगे, ग़लत चीज़ नाप रहा है।

इनमें से किसी पर भी भरोसा करने से पहले ielts.org देखिए। टेस्ट देने के ब्योरे हर बाज़ार में अलग-अलग बदलते हैं, और यह पन्ना हमेशा इस पर सबसे नई बात नहीं होगा। आधिकारिक पेज हैं **ielts.org/news-and-insights/updates-to-ielts-test-delivery** और, रीटेक के लिए, **ielts.org/take-a-test/booking-your-test/one-skill-retake**। आप जहाँ टेस्ट दे रहे हैं, वहाँ असल में क्या उपलब्ध है, इस पर आख़िरी बात आपका टेस्ट सेंटर ही कहेगा।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

अंत

आपने यह किताब टेस्ट की तैयारी करते हुए शुरू की थी। आप इसे इस तरीक़े के साथ ख़त्म करते हैं कि पहचान सकें, उस तैयारी का कौन-सा हिस्सा अब भी कुछ कर रहा है।

बस इतनी-सी बात है: हर स्किल का एक रुकने का नियम, तैयारी की एक जाँच जो एहसास नहीं बल्कि एक सूची है, और एक नियम कि बचे हुए घंटे कहाँ जाएँ। इसमें से कुछ भी काम को छोटा नहीं करता। यह काम को वहाँ जाने से रोकता है जहाँ वह मदद नहीं कर सकता।

सेल्फ़-टेस्ट के बारे में। इस किताब के सेल्फ़-टेस्ट अपनी प्रगति जाँचने का एक तरीक़ा हैं, असली IELTS परीक्षा नहीं। वे बता सकते हैं कि आप शायद तैयार हैं या नहीं। वे नतीजे की गारंटी नहीं दे सकते, और उन्हें कोई परीक्षक नहीं जाँचता। अपनी ही Writing को ख़ुद नंबर देना चारों में सबसे कम भरोसेमंद है, जैसा Part 2.3 ठीक उस जगह कहता है जहाँ यह मायने रखता है। आपका असली बैंड सिर्फ़ आधिकारिक टेस्ट का नतीजा तय करता है।

2026 के बदलावों के बारे में। Part 6 में टेस्ट देने के ब्योरे और One Skill Retake की शर्तें छपने से कुछ पहले ielts.org से मिलाई गई थीं, और ये ठीक उसी तरह की बातें हैं जो हर बाज़ार में अलग-अलग बदलती हैं। इन पर भरोसा करने से पहले ielts.org से और अपने टेस्ट सेंटर से मौजूदा नियम पक्के कर लीजिए।

टेस्ट के लिए शुभकामनाएँ, और उस चीज़ के लिए भी जिसकी तरफ़ यह एक क़दम है।

इन किताबों के बारे में

यहाँ क्लिक करें https://freeieltsbooks.net/hi/about/

यह किताब मुफ़्त है। इसे बाँटने के लिए ही लिखा गया था, और आप इस फ़ाइल को टेस्ट की तैयारी कर रहे किसी को भी दे सकते हैं — किसी सहपाठी को, स्टडी ग्रुप को, किसी टीचर को। आपको इजाज़त की ज़रूरत नहीं, और कुछ चुकाना नहीं है।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

और मुफ़्त किताबें **freeieltsbooks.net** पर हैं।

अगले हफ़्ते फिर आइए

पता अभी लिख लीजिए, जब यह आपके दिमाग़ में है: **freeieltsbooks.net**

इसे बुकमार्क में सेव कर लीजिए, या फ़ोन पर अगले हफ़्ते का रिमाइंडर लगा लीजिए — हम और किताबें जोड़ रहे हैं। साइट पर दिखता है कि उसे आख़िरी बार कब अपडेट किया गया, ताकि आप एक नज़र में देख सकें कि पिछली बार के बाद क्या बदला है।

न कुछ साइन अप करना है, न कोई ईमेल पता देना है। रिमाइंडर आपका है, आपके अपने फ़ोन पर — आप तक पहुँचने का हमारे पास यही एक रास्ता है, और हमें यही पसंद है।

यह संस्करण अक्टूबर 2026 में अपडेट किया गया।

यहाँ क्लिक करें https://freeieltsbooks.net/hi/about/

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

इस किताब का हर उदाहरण, हर तालिका और हर वर्कशीट इसी किताब के लिए लिखी गई है। इसमें कोई भी आधिकारिक टेस्ट सामग्री दोबारा नहीं छापी गई है।